



झारखण्ड गजट

असाधारण अंक

झारखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

26 आषाढ़, 1941 (श०)

संख्या- 572 राँची, बुधवार,

17 जुलाई, 2019 (ई०)

कार्मिक, प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग।

संकल्प

02 अप्रैल, 2019

संख्या-5/आरोप-1-7/2014 का०- 2766-- श्री अजय शेखर, झा०प्र०से० (कोटि क्रमांक-479, गृह जिला-औरंगाबाद), तत्कालीन सम्पदा पदाधिकारी-सह-सचिव, राँची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, राँची, सम्प्रति- सेवानिवृत्त के विरुद्ध नगर विकास विभाग, झारखण्ड के पत्रांक-2632, दिनांक 05.08.2011 द्वारा सी०बी०आई० Case No.- RC-03(A)/2011-R में अभियोजन स्वीकृति हेतु प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया, जिसके आलोक में विधि (न्याय) विभाग, झारखण्ड के आदेश सं०-125/जे०, दिनांक 16.08.2011 द्वारा इनके विरुद्ध अभियोजन स्वीकृति आदेश निर्गत किया गया है।

श्री शेखर को सी०बी०आई० द्वारा गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के कारण विभागीय अधिसूचना सं०-3646, दिनांक 05.07.2011 द्वारा निलंबित किया गया था तथा हिरासत से मुक्त होने के पश्चात विभागीय अधिसूचना सं०-6041, दिनांक 24.09.2011 द्वारा पुनः निलंबित किया गया।

मामले के समीक्षोपरांत आदेश सं०-7468, दिनांक 26.06.2012 द्वारा श्री शेखर को निलंबन मुक्त किया गया है तथा सी०बी०आई० से प्राप्त अभिलेखों के आधार पर इनके विरुद्ध विभाग स्तर पर प्रपत्र- 'क' में आरोप का गठन किया गया है, जिसमें इनके विरुद्ध व्यक्तिगत लाभ के लिए अपने पद का दुरुपयोग करने एवं राँची म्यूनिसिपल को-ऑपरेशन के प्लॉट नं० 1735 की भूमि पर निर्माण हेतु

बिल्डर मेसर्स एश्लेशा कोरपोरेशन लिमिटेड, राँची को अवैध तरीके से लाभ पहुँचाने संबंधी आरोप प्रतिवेदित किया गया।

उक्त आरोपों के प्रसंग में इनसे प्राप्त स्पष्टीकरण के समीक्षोपरांत विभागीय संकल्प सं०-6398, दिनांक 20.06.2014 द्वारा इनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गई, जिसमें श्री अशोक कुमार सिन्हा, सेवानिवृत्त भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी, झारखण्ड को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया। श्री सिन्हा की कार्यावधि समाप्त होने के पश्चात् विभागीय संकल्प सं०-3928, दिनांक 29.04.2015 द्वारा इनके स्थान पर श्री शुभेन्द्र झा, सेवानिवृत्त भा०प्र०से०, विभागीय जाँच पदाधिकारी को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया गया है।

विभागीय जाँच पदाधिकारी-सह-संचालन पदाधिकारी के पत्रांक-40, दिनांक 08.03.2016 द्वारा विभागीय कार्यवाही का जाँच प्रतिवेदन समर्पित किया गया। संचालन पदाधिकारी अपने जाँच प्रतिवेदन में श्री शेखर को आरोप मुक्त करने का मन्तव्य गठित किया गया।

श्री शेखर के विरुद्ध आरोप, इनका बचाव बयान एवं संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन तथा माननीय उच्च न्यायालय झारखण्ड द्वारा याचिका सं०-W.P.(Cr.) No. 319/2011 में दिनांक 27.11.2015 को पारित आदेश में Case No.-RC-03(A)/2011-R द्वारा आपराधिक कृत्य का लिये गये संज्ञान को निरस्त करने संबंधी तथ्यों की समीक्षा की गई।

अतः समीक्षोपरांत, श्री अजय शेखर, सेवानिवृत्त झा०प्र०से०, तत्कालीन सम्पदा पदाधिकारी-सह-सचिव, राँची क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, राँची को इस मामले में आरोप मुक्त किया जाता है।

झारखण्ड राज्यपाल के आदेश से,

अशोक कुमार खेतान,
सरकार के संयुक्त सचिव।
